एक नजर में

देवास में कावड़ यात्री की संदिग्ध मौत

देवास. कावड़ यात्रियों के जत्थे में शामिल एक अधेड़ व्यक्ति की मृत्यु की खबर प्रकाश में आई है. पुलिस ने शव को परीक्षण हेतु पोस्टमार्टम रूम में रखवाया है. सावन भादो मास में कावड़ यात्रा का धार्मिक महत्व है. खासकर मालवा अंचल में आस्था की यह यात्रा सावन मास के शुरू दिन से ही आरंभ हो जाती है. 21 जुलाई को ग्राम सिरोंज बरोठा जिला देवास निवासी बालू सिंह पिता बहादुर सिंह की जाति का 50 वर्षीय युवक अपने साथियों के साथ कावड़ यात्रा में शामिल हुआ था. यह कावड़ यात्रा धारा जी पहुंची थी वहां से पुंजापुरा में रात्रि विश्राम कावड़ यात्रियों ने किया था. आज सुबह 9 बजे के करीब बालू सिंह की तबीयत बिगड़ने पर उसके साथियों के द्वारा 100 डायल पर पुलिस को सूचना दी गई. घटना की जानकारी संबंधित सीएसपी को पुलिस के द्वारा दी गई और बालू सिंह को उपचार हेतु बागली के सरकारी अस्पताल लाया गया जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया. हालांकि अभी मृत्यु के कारण का खुलासा स्पष्ट नहीं हो पाया है लेकिन चिकित्सकों का कहना है कि मृत्यु दिल का दौरा पड़ने से हुई है. पुलिस ने मामले को जांच में ले लिया है.

कनाडिया जैन मंदिर से निकली शोभायात्रा

इंदौर. आचार्य विराग सागर महाराज एवं आचार्य विशुद्ध सागर महाराज की शिष्या 105 क्षेय श्री माताजी का 16वां चातुर्मास तिलक नगर संत सदन में सम्पन्न हुआ. होलास राय सोनी ने बताया कि चातुर्मास लेकर विभिन्न कमेटियों का गठन किया गया. चातुर्मास की बेला में कनाडिया जैन मंदिर से निकली शोभायात्रा में बैंडबाजे, बग्घी, केशरिया साड़ी में महिलाएं कलश लेकर चल रही थी. पुरूष वर्ग भक्ति करते हुए उत्साह से साथ थे. शोभायात्रा विभिन्न मार्गो से होती हुई तिलक नगर संत सदन पहुंची. वहां पर धार्मिक क्रियाएं काजल दीदी द्वारा सम्पन्न की गई. राकेश जैन संगीतकार के मधुर भजनों पर उपस्थित समाजजन थिरक उठे. महिला मंडल की हीरामणि सोनी, उषा पांड्या, पारुल बिलाला, बेला पालविया द्वारा आचार्य श्री की संगीतमय पूजन कर अर्घ चढ़ाये. माताजी का पाद प्रक्षालन सीमा-विक्रम राजावत द्वारा किया गया. मंगल कलश की स्थापना उषा राजेश कानूगो, संजय प्रतिभा जैन द्वारा की गई. क्षेय श्री माताजी ने सभा को संबोधित करते हुए बताया कि चातुर्मास का मतलब चार माह की यात्रा धर्म, तप, त्याग, संयम, ब्रह्मचर्य की यात्रा होती है जो यह यात्रा कर लेता है वह स्वयं को जीत लेता है. इस अवसर पर एलसी जैन, महावीर जैन, ज्ञानेश जैन, दिलीप पाटनी, राजेश जैन, तल्लीन बड़जात्या, अशोक पाटनी, शुशील पाटनी उपस्थित थे. संचालन जैनेश झांझरी ने किया. आभार नवीन अजमेरा ने माना.

वैभवी देशपांडे का शास्त्रीय गायन कल

इंदौर. शास्त्रीय व उप शास्त्रीय गायिका श्रीमती वैभवी देशपांडे का गायन 26 जुलाई को शाम 7.30 बजे श्रीनाथ मंदिर परिसर में होगा. यह जानकारी देते हुए श्रीनाथ मंदिर संस्थान के सचिव संजय गो. नाम जोशी ने बताया कि हर माह के दूसरे या तीसरे शनिवार की शाम को श्रीनाथ महाराज के दरबार में शास्त्रीय-उप शास्त्रीय गायन का आयोजन किया जाता है. इसी क्रम में यह आयोजन किया जा रहा है.

आगमों में लाखों गाथाएं समाहित

इंदौर. जैन धर्म के आगम शास्त्रों में 11 अंग, 12 उपांग 4 मूल और 1 आवश्यक सूत्र, इस प्रकार 32 आगम जैन धर्म के भंडार है. इन आगमों में लाखों गाथाएं समाहित है. उपप्रवर्तक श्रुतमुनि महाराज ने कहा कि आगम के 5 सूत्र है- वाचना, पृच्छना, प्रयच्छना, धर्मकथा, अनुप्रेक्षा. इनका अर्थ प्रकार है की आज्ञा लेकर कि आगम लेना चाहिये. आगम का चिन्तन करें वीजन करें, आगम सुनना, आगमों का ध्यान करना, आत्मा का ध्यान लगाना. आगम का ध्यान से अध्ययन करने से पाप रुकता है, पाप कर्म बन्द होते है. आगम के दर्शन से नौ ग्रह परेशान नहीं करते है. सम्पूर्ण आगम को हाथ में लेकर ध्यान करना चाहिये, अहो तीर्थकर परमात्मा हमें दिव्य ज्ञान मेरी आत्मा में रमण करें ऐसी प्रार्थना करें. गुरुदेव के सानिध्य में आगमों का पूजन किया गया. बहुत ही श्रद्धा के साथ पति-पत्नि के जोड़ो ने आगम के पूजन कर गुरुदेव को समर्पित किये. कल से श्रीसंघ के मुखारविन्द से आगम वाणी पर प्रवचन होंगे. धर्म सभा का संचालन प्रकाश भटेवरा ने किया. आभार रमेश भंडारी ने व्यक्त किया.

रुद्राभिषेक का आयोजन किया

इंदौर. आद्य गौड़ ब्राह्मण सेवा न्यास ने श्रावण मास में श्री श्री विद्याधाम के अधिष्ठाता, गौ और ब्राह्मण सेवा को समर्पित महामंडलेश्वर स्वामी चिन्मयानंद सरस्वती के पावन सानिध्य में रुद्राभिषेक का दिव्य आयोजन किया. श्रावण मास में भगवान शिवा-शिव की भक्ति से अपने ताप, पाप, संताप नष्ट करने के साथ साथ 56 भोग का पुण्य लाभ लिया. इस अनुष्ठान में के न्यासीगण, मीरा मोहन प्रकोष्ठ, आरोग्य प्रकोष्ठ, सांस्कृतिक प्रकोष्ठ, परिचय सम्मेलन प्रकोष्ठ, मातृशक्ति प्रकोष्ठ और सक्रिय सदस्य ही आमंत्रित थे. न्यास द्वारा इस कार्यक्रम का दायित्व मीरा मोहन प्रकोष्ठ को दिया गया था. कार्यक्रम में 60 युगल ने 150 वैदिक विद्वानों के सानिध्य में सामूहिक अभिषेक किया. कार्यक्रम में न्यास अध्यक्ष दिनेश शर्मा, सुरेश काका, महेश शर्मा, राजकिशोर शर्मा, ओम प्रकाश शर्मा, सुनील भंडारी, अमित नायक, मनोज शर्मा, स्वागत शर्मा, मयंक तिवारी, आशीष पंडित, विनय शर्मा, गौरव शर्मा, विजय शर्मा, चिन्मय शुक्ला पूरे समय सक्रिय रहे. सबने इंदौर को ट्रैफिक में नं 1 बनाने की शपथ ली.

'लव यू जिंदगी' में आज रॉयल अफेयर थीम कार्यक्रम

इंदौर. महिला प्रकोष्ठ अग्रवाल समाज केन्द्रीय समिति द्वारा अपने 'लव यू जिंदगी' कार्यक्रम की श्रृंखला में शुक्रवार, 25 जुलाई को दोपहर 3 बजे से पालदा तीन इमली स्थित होटल जाजीन पर शाही और रंगारंग दावत का अनूठा आयोजन रॉयल अफेयर थीम पर रखा है. सखियां इस आयोजन में खुद को परियों, राजकुमारियों और महारानियों की तरह अनुभूति कर सकें, इस तरह की व्यवस्था रहेगी. प्रकोष्ठ की प्रमुख प्रतिभा मित्तल ने बताया कि सौ से अधिक सखियों ने अपने पंजीयन करा लिए हैं. निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार दोपहर 3.30 से 4.30 बजे तक सभी सखियां महारानी की तरह सज-संवरकर आएंगी और रेड कारपेट वॉक में शामिल होने के बाद साढ़े 4 बजे से शाही खेल-कूद और अन्य स्पर्धाओं में भाग लेंगी. शाम 5 बजे से नए-पुराने फिल्मी गीतों की सुहावनी गूंज के बीच संगीतमय तम्बोला होगा, जिसका संचालन सुभाष काला और उनके बैंड दल द्वारा किया जाएगा. शाम 6.30 बजे पुरस्कार वितरण होगा और शाम 7 बजे श्रावण मास के अनुरूप शिवजी के पूजन के बाद शुद्ध-सात्विक भोजन की दावत शुरू होगी. समूचा आयोजन शाही अंदाज में तैयार किया गया है. रूप की निकिता एवं अंजलि के अनुसार इस मौके पर सखियों के लिए राखी के त्यौहार के लिए विशेष शॉपिंग स्टाल भी सजाए जाएंगे.

एमटीएच अस्पताल में मारपीट का आरोप

गार्ड और स्टाफ पर परिजनों का फूटा गुस्सा

महिलाओं से बदसलूकी, मरीज के परिजनों को परिसर से खदेड़ने का आरोप

नव भारत न्यूज

इंदौर. शहर के मध्य स्थित महात्मा गांधी मेमोरियल अस्पताल में अफरा-तफरी का माहौल बन गया, जब मरीज से मिलने पहुंचे परिजनों के साथ अस्पताल के गार्ड और हाउसकीपिंग स्टाफ ने कथित रूप से मारपीट की. परिजनों ने आरोप लगाया कि मामूली कहासुनी के बाद स्टाफ ने महिलाओं से अभद्रता की और पूरे परिवार को मारपीट कर अस्पताल परिसर से बाहर कर दिया गया.

प्रत्यक्षदर्शी राजेन्द्र सोलंकी ने बताया कि विवाद उस समय बढ़ा जब एक मरीज से मिलने आए परिजनों को अस्पताल में प्रवेश को लेकर रोका गया. इसी दौरान गार्ड और हाउसकीपिंग कर्मचारियों से बहस हुई, जो देखते ही देखते हाथापाई में बदल गई.

परिजनों का आरोप है कि इस दौरान महिलाओं को भी नहीं बख्शा गया और लात-घूंसे चलाकर उन्हें जबरन बाहर निकाल दिया. घटनास्थल पर मौजूद कुछ लोगों ने इस पूरे घटनाक्रम का वीडियो बनाने की कोशिश की, लेकिन परिजनों का आरोप है कि गार्ड और स्टाफ ने उन्हें भी पीट डाला. करीब आधे घंटे तक यह सब चलता रहा, लेकिन किसी भी वरिष्ठ अधिकारी ने मौके पर पहुंचकर बीच-बचाव नहीं किया.

मंत्री से करेंगे शिकायत

रिजनों ने कहा है कि वे इसकी शिकायत स्वास्थ्य मंत्री, प्रमुख सचिव स्वास्थ्य और मुख्यमंत्री तक पहुंचाएंगे. उनका कहना है कि स्वास्थ्य विभाग और जिला प्रशासन को मामले में तत्काल संज्ञान लेकर दोषियों पर कार्रवाई करनी चाहिए.

परिजनों का यह भी कहना है कि अस्पताल में मरीजों से मिलने के लिए प्रवेश के नाम पर वसूली की जाती है. जब कोई इसका विरोध करता है तो गार्ड और स्टाफ मारपीट पर उतारू हो जाते हैं. परिजनों ने यह भी सवाल उठाया कि अस्पताल प्रबंधन की चुप्पी क्या पूरे मामले में उनकी मौन सहमति को दर्शाती है? इस पूरे घटनाक्रम का वीडियो अब सामने आ चुका है.

शराब के झगड़े में पिता और चाची को पीट-पीटकर मार डाला

नवभारत न्यूज

इंदौर. बड़गोंदा थाना क्षेत्र के ग्राम जामली में हुए दोहरे हत्याकांड का पुलिस ने कुछ ही घंटों में खुलासा कर दिया. पुलिस ने पिता और चाची की पीट-पीटकर हत्या करने के आरोप में मृतक के बेटे और बेटी को गिरफ्तार किया है. हत्या की वजह घरेलू विवाद और शराब के नशे में की गई गाली-गलौच को बताया जा रहा है.

घटना में मृतक महिला की पहचान सावित्रीबाई पति सुखराम निनामा और उसके जेठ ओंकार सिंह निनामा के रूप में हुई है. दोनों ही विधवा थे और लंबे समय से एक ही घर में साथ रहते थे. पोस्टमार्टम रिपोर्ट में स्पष्ट हुआ है कि दोनों की मृत्यु सिर और शरीर पर गंभीर मारपीट के कारण हुई है. एडिशनल एसपी रूपेश द्विवेदी ने बताया कि जांच में पता चला कि ओंकार सिंह और सावित्रीबाई दोनों अक्सर साथ बैठकर शराब पीते थे और फिर गांव-परिवार के लोगों से विवाद करते थे. यह बात ओंकार सिंह के बेटे संतोष और बेटी रेखाबाई को नागवार गुजरती थी. घटना वाले दिन भी दोनों ने घर में बैठकर शराब पी और झगड़ा

बड़गोंदा के जामली गांव में दोहरे हत्याकांड का खुलासा, आरोपी बेटा और बेटी गिरफ्तार

शुरू कर दिया. जब संतोष और रेखाबाई ने उन्हें टोका तो उल्टा उन पर ही अभद्रता शुरू कर दी गई. इससे गुस्साए संतोष और रेखाबाई ने पहले पिता और फिर चाची पर हमला कर दिया. दोनों को जमीन पर पटक-पटककर बेरहमी से पीटा और फिर उन्हें घर के बाहर नाली के पास फेंक दिया. गंभीर चोटों के चलते मौके पर ही दोनों की मौत हो गई. पुलिस ने मौके की जांच और परिजनों के बयानों के आधार पर हत्या का प्रकरण दर्ज कर संतोष और रेखाबाई को

बचपन के श्रेष्ठ संस्कार मजबूत नींव का निर्माण करते हैं: स्वामी परमानंद

इंदौर. यह भारत भूमि हीं है, जहां पुनर्जन्म, स्वर्ग-नर्क और मोक्ष की मान्यता है. अन्य किसी धर्म में मोक्ष नहीं होता. हिन्दू के अलावा अन्य जितने भी धर्म हैं, उनमें अलग-अलग मान्यताएं हैं.

जन्म-मरण के चक्र से मुक्ति पाने के लिए ही मोक्ष की चाह होती है. बचपन के श्रेष्ठ संस्कार ही मजबूत नींव का निर्माण करते हैं. ये विचार हैं, राम जन्मभूमि न्यास अयोध्या के न्यासी एवं युगपुरुष स्वामी परमानंद गिरि महाराज के, जो उन्होंने गुरुवार को खंडवा रोड स्थित अखंड परम धाम आश्रम पर आयोजित 29वें ध्यान एवं योग शिविर के चौथे दिन उपस्थित भक्तों को आशीर्वचन देते हुए व्यक्त किए. आज प्रवचन शुभारंभ के पूर्व साध्वी चैतन्य सिंधु, तिलकराज ठकर, मुकेश राजानी, निरंजन पुरोहित, विष्णु कटारिया, राजेश ढींगरा आदि ने हरिद्वार से पधारे महामंडलेश्वर स्वामी ज्योतिर्मयानंद, महा मंडलेश्वर साध्वी दिव्य चेतना गिरि आदि की अगवानी की. प्रारंभ में आयोजन समिति की ओर से साध्वी चैतन्य सिंधु, किशनलाल पाहवा, श्यामलाल मक्कड़, रामबाबू अग्रवाल, विजय गोयनका, सुरेश शाहरा, राजेश रामबाबू अग्रवाल, विजय शादीजा, निरंजन पुरोहित आदि ने युगपुरुष स्वामी परमानंद गिरि महाराज का स्वागत किया.

खनिज घोटाले पर सवाल उठाना पड़ा महंगा

जनपद सीईओ ने सदस्य का किया अपमान

जनपद अध्यक्ष, उपाध्यक्ष और सभी सदस्य धरने पर बैठे

जांच और कार्रवाई की उठी मांग

नव भारत न्यूज

इंदौर/सांवेर. जनपद पंचायत की साधारण बैठक उस समय हंगामे में बदल गई, जब अवैध खनन का मुद्दा उठाने पर एक जनप्रतिनिधि के साथ जनपद सीईओ द्वारा सार्वजनिक तौर पर अपमानजनक व्यवहार किया. घटना के विरोध में बैठक का बहिष्कार कर जनपद के सभी सदस्य बैठक कक्ष के बाहर धरने पर बैठ गए. जनप्रतिनिधियों ने इसे लोकतंत्र का अपमान बताते हुए सीईओ को हटाने और अवैध खनन की उच्चस्तरीय जांच की मांग की. जानकारी के अनुसार, जनपद सदस्य महेश भगत ने माता बरोड़ी क्षेत्र में चल रहे अवैध खनन की शिकायत बैठक में उठाई थी.

इसी दौरान जनपद पंचायत सीईओ ने न केवल उनकी बात को अनसुना किया, बल्कि सार्वजनिक रूप से अपमानजनक टिप्पणी भी कर दी. इसी के विरोध में सभी सदस्य बैठक से बाहर आ गए और धरना शुरू कर दिया. इस धरने में जनपद अध्यक्ष प्रतिनिधि मानसिंह चौहान और उपाध्यक्ष अनोखीलाल पटेल भी शामिल रहे. कांग्रेस और भाजपा सहित सभी दलों के सदस्य एकजुट दिखे. करीब तीन घंटे चले धरने के

कार्रवाई नहीं तो बड़ा आंदोलन...

लगातार बढ़ते विरोध के बीच एक वरिष्ठ नेता का फोन आने और अनुविभागीय अधिकारी सांवेर घनश्याम धनखड़ की मध्यस्थता के बाद धरना समाप्त हुआ. हालांकि जनप्रतिनिधियों ने साफ किया कि यदि सीईओ पर शीघ्र कार्रवाई नहीं होती, तो जिलेभर में बड़ा आंदोलन खड़ा किया जाएगा. मामले में पूर्व जनपद सदस्य हंसराज मंडलोई ने कहा कि अब समय आ गया कि सभी जनप्रतिनिधि पार्टी लाइन से ऊपर उठकर लोकतंत्र और जनहित के लिए एकजुट हों.

बेलगाम हो गए अफसर

किसान नेता हंसराज मंडलोई ने यह भी कहा कि पहले अधिकारी निर्वाचित जनप्रतिनिधियों का सम्मान करते थे, लेकिन अब नेताओं के संरक्षण में अफसर बेलगाम हो गए हैं. आज हालात ये हैं कि वे अध्यक्ष और उपाध्यक्ष तक को कोई महत्व नहीं देते. यह न केवल जनप्रतिनिधियों का, बल्कि संविधान और लोकतंत्र का अपमान है. उन्होंने कहा कि सांवेर जनपद अध्यक्ष का पद एक आदिवासी महिला के लिए आरक्षित है. ऐसे में महिला अध्यक्ष को दरकिनार कर अफसरशाही चलाना सामाजिक न्याय के भी खिलाफ है.

दौरान जमकर नारेबाजी की गई. पूर्व जनपद सदस्य ने कहा कि सांवेर में करोड़ों रुपए का खनिज घोटाला हुआ है, जिसकी निष्पक्ष जांच जरूरी है. उन्होंने आरोप लगाया कि माता बरोड़ी में हो रहे अवैध खनन को जनपद सीईओ का संरक्षण प्राप्त है.

धर्म, समाज और राष्ट्र सेवा में समर्पित रहे 'भगवन'

इंदौर. ब्रह्मलीन स्वामी ब्रह्मलीन स्वामी गिरिजानंद सरस्वती 'भगवन' का सम्पूर्ण जीवन धर्म, समाज, संस्कृति और राष्ट्र की सेवा में ही समर्पित रहा. उनका चिंतन जीवनभर धर्म और संस्कृति को आगे बढ़ाने में लगा रहा. शिक्षा और संस्कारों को आगे बढ़ाने और ब्राह्मण बच्चों को मार्गदर्शन देने में उन्होंने अपना सम्पूर्ण जीवन समर्पित बनाए रखा. उनका जीवन चरित्र प्रेरक और अनुकरणीय रहा. आडम्बर और प्रदर्शन से दूर रहकर उनके सदकर्मों की सुगंध युगों-युगों तक कायम रहेगी.

विमानतल मार्ग स्थित श्री श्रीविद्याधाम आश्रम के संस्थापक ब्रह्मलीन स्वामी गिरिजानंद सरस्वती 'भगवन' के 14वें पुण्य स्मरण दिवस पर गुरुवार को सैकड़ों भक्तों, शिष्यों एवं शहर के प्रमुख संतों ने उनके मंदिर एवं उनकी प्रतिमा पर पुष्पांजलि एवं भावांजलि समर्पित करते हुए उक्त विचार व्यक्त किए. इस अवसर पर वीर अलीजा हनुमान मंदिर के प्रमुख ब्रह्मचारी पवनानंद, अखंड धाम के महामंडलेश्वर डॉ.स्वामी

शिष्यों ने सजाया मंदिर

आश्रम स्थित मां ललिता परांबा के मंदिर में भगवती को 56 भोग भी समर्पित किए गए. 'भगवन' के पुण्य स्मरण दिवस पर उनके शिष्यों ने मंदिर का गुलाब, मोगरा, एवं रजनीगंधा के फूलों से मनोहारी श्रृंगार किया था.

चेतन स्वरूप, हंसदास मठ के महामंडलेश्वर हंस पीठाधीश्वर श्रीमहंत रामचरण दास महाराज, महंत पवनदास महाराज, महामंडलेश्वर स्वामी रामगोपालदास महाराज, अन्नपूर्णा आश्रम के आचार्य पं. किशोर शर्मा सहित शहर के अनेक प्रमुख संतों और विद्वानों ने आश्रम पहुंचकर पुज्य 'भगवन' को पुष्पांजलि एवं भावांजलि समर्पित की. शहर के प्रमुख विद्वान आचार्य पं. कल्याणदत्त शास्त्री, आचार्य पं. रामचंद्र शर्मा वैदिक एवं आचार्य पं. जुगल किशोर शास्त्री सहित अनेक विद्वानों का सम्मान भी किया गया. इसके पूर्व आश्रम के महामंडलेश्वर स्वामी चिन्मयानंद सरस्वती के सानिध्य एवं आचार्य पं. राजेश शर्मा के निर्देशन में 21 विद्वानों ने 'भगवन' के मंदिर में पाद पूजन, षोड्शोपचार पूजन, अभिषेक, कन्या पूजन, संत एवं भूदेव पूजन के बाद आरती के अनुष्ठान भी सौल्लास संपन्न हुए.

प्रारंभ में आश्रम परिवार की ओर से सुरेश शाहरा, पं. दिनेश शर्मा, राजेन्द्र महाजन, राम ऐरन, रमेशचंद्र राठौर, चंदन तिवारी, रमेश पसारी, डॉ. संजय पंडित, उमा शुक्ला, रेणु गुप्ता आदि ने सभी अतिथियों एवं संतों की अगवानी की. हरियाली तीज के उपलक्ष्य में भक्तों को बिल्व पत्र एवं तुलसी के पौधे भी भेंट किए गए.

रंगमंच आर्ट ऑफ ड्रामा ने किया कालजयी उपन्यास का मंचन

जातिगत भेदभाव और पूंजीवादी व्यवस्था पर प्रहार करता महानाट्य

इंदौर. वरिष्ठ अधिवक्ता एवं समाजसेवी स्वर्गीय आनंद मोहन माथुर की जन्मस्मृति में रंगमंच आर्ट ऑफ ड्रामा द्वारा विजय नगर स्थित आनंद मोहन माथुर सभागृह में महान उपन्यासकार मुंशी प्रेमचंद का अंतिम कालजयी उपन्यास गोदान का मंचन किया गया. दिल को झकझोरने वाला 3 घंटे का यह महानाट्य संदीप दुबे द्वारा निर्देशित था. संगीत लावण्या साहू एवं प्रकाश ओम कुमार ने दिया. इस महानाट्य में 25 कला कारों ने भूमिका निभाई.

मुख्या भूमिकाओं में थे - संदीप दुबे (होरी), सपना जोशी (धनिया), संजय पांडेय (भोला), पंकज शर्मा (गोबर), मनीष त्रिवेदी, राजकुमारी सोनी, प्रिया झाला, गीतांजलि सावरिया, बंटी पाटीदार, संजय सिंह, रमेश विद्यार्थी, प्रभांशु चौबे, डॉ अतुल बग्डी, उषा साहू, ओमप्रकाश सोमानी, विष्णु गुरुदेव, आदित्य जैन, राशि मालवीय, ओम कुमार, आरना सांघी, निर्मल लिली डाबर ने किया. यह

मालवी भाषा का अधिक प्रयोग

महानाट्य में मालवी भाषा का बहुत अधिक प्रयोग हुआ. कुछ संवाद अच्छे थे -जैसे बिना महरिया के घर भूतन का डेरा. गरीब हैं 10 रुपये मिल जाए तो 50 रुपये मानो. मोडी पैसा से कब रुपया बन जाए पता ही नहीं चलता।) दादा गड्ढा मत बेचो भले हमें बेच दो. महानाट्य में धनिया और होरी के संवाद ने सभी को झकझोरा. देश काल और परिस्थितियों के आधार पर की गई मंच की प्रस्तुति प्रभावी रही.

जैन! इस महानाट्य को लेकर दर्शकों में इतना जबरदस्त उत्साह था कि मंचन के एक घंटे पूर्व ही सभागृह पूरा भर गया था. दर्शकों ने सीढ़ियों पर बैठकर, महानाट्य देखा. शुरूआत में डॉ. राज कुमार माथुर, प्रो. सरोज कुमार, अतुल सेठ, डॉ. पूनम माथुर, डॉ. राहुल माथुर, सुशील गोयल ने स्व. माथुर के चित्र पर माल्यार्पण कर उन्हें याद किया. संचालन

महानाट्य एक गरीब दम्पति होरी व धनिया की दर्द भरी कहानी के साथ -साथ समाज में व्याप्त भृष्टाचार, सडी - गली जातिगत व्यवस्था, जमींदार का शोषण, गरीब की विवशता, पूंजीवादी व्यवस्था में पिसता समाज, बड़े भाई के प्रति छोटे के मन में पनपता द्वेष का बीज, गाय के मर जाने पर उपजी परिस्थितियाँ आदि पहलुओं को बड़ी बारीकी से समेटा गया.

दरवाजे पर पेट्रोल डाल घर में लगाई आग

इंदौर. देपालपुर के मिर्जापुर इलाके में रात दिल दहला देने वाली वारदात हुई, जहां दो युवकों ने एक घर को पेट्रोल से भरी बोतल फेंककर आग के हवाले कर दिया. घटना में घर का आंगन और भीतर का हिस्सा जलकर खाक हो गया.

गनीमत रही कि उस समय परिजन मुख्य कमरे में मौजूद नहीं थे, वरना जनहानि भी हो सकती थी. मामले में पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर उनकी की तलाश शुरू कर दी है.

घटना मिर्जापुर निवासी संदीप खेर के घर पर हुई. फरियादी ने पुलिस को बताया कि देर रात संदीप छिपा और उसका एक साथी घर के बाहर पहुंचे. जब दरवाजा बंद मिला तो उन्होंने ऊपर से पेट्रोल उड़ेल दिया. जैसे ही संदीप ने दरवाजा खोला, आरोपियों ने भीतर पेट्रोल से भरी बोतल फेंक दी. पल भर में आग ने दरवाजे, फर्श और घर के सामान को चपेट में ले लिया. परिवार किसी तरह मुख्य कमरे में घुसकर बचा. घर में

आग लगाने के बाद दोनों आरोपी मौके से भाग निकले.

पड़ोसियों की मदद से आग पर काबू पाया गया, लेकिन तब तक काफी नुकसान हो चुका था. संदीप ने बताया कि आरोपी पूर्व से रंजिश रखते थे और इसी का बदला लेने के इरादे से यह साजिश रची गई. मामले में देपालपुर पुलिस ने आगजनी और जानलेवा हमले की धाराओं में प्रकरण दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है. थाना प्रभारी का कहना है कि घटनास्थल से सबूत जुटाए जा रहे हैं और जल्द ही आरोपियों को गिरफ्तार किया जाएगा.

गुणानुवाद सभा | **चातुर्मासिक अनुष्ठान की धर्मसभा में आचार्य आनंद सागर की गुणानुवाद सभा**

महापुरुषों के सद्‌कर्म युगों-युगों तक करते हैं समाज का मार्गदर्शन

इंदौर. महापुरुषों और तपस्वी संतों के सद्‌कर्मों की आभा कभी नष्ट नहीं होती. उनके द्वारा किए गए सदकर्म युगों-युगों तक समूचे राष्ट्र और समाज का मार्गदर्शन करते हैं.

आगमोद्धारक आचार्य आनंद सागर ऐसे ही दिव्य और तेजस्वी संत थे, जिन्होंने पालीताणा जैसे तीर्थ स्थल के दर्शन जन-जन तक पहुंचाने के लिए उस युग में 12 लाख रजत मुद्राओं का संग्रह कर सीढ़ियों का निर्माण कराया, बल्कि अनेक जैन धर्मग्रंथों का संरक्षण कर उनके प्रकाशन से लेकर वितरण जैसा महती सेवा कार्य भी किया.

युवा हृदय सम्राट, जैनाचार्य विश्वरत्नसागर ने गुरुवार को अर्बुद गिरिराज जैन श्वेताम्बर तपागच्छ उपाश्रय ट्रस्ट पीपली बाजार, जैन श्वेताम्बर मालवा महासंघ एवं नवरत्न परिवार इंदौर के संयुक्त

तत्वावधान में नरसिंह वाटिका स्थित नवरत्न वाटिका पर चल रहे चातुर्मासिक अनुष्ठान में आगमोद्धारक जैनाचार्य आनंद सागर की 151वीं जन्म जयंती के उपलक्ष्य में आयोजित गुणानुवाद सभा में उक्त प्रेरक विचार व्यक्त करते हुए उनके प्रति पुष्पांजलि समर्पित की. गुणानुवाद सभा में मुनि प्रवर उत्तमरत्न सागर, शौर्यरत्न सागर, देवर्धिरत्न सागर, गणिवर्य कीर्तिरत्न सागर, केवलरत्न सागर, समाजसेवी पारसमल बोहरा, सुभाष कांग्रेसा, प्रीतेश ओस्तवाल, जिनेन्द्र भाई, सुदर्शन जैन, हर्ष सोनगरा आदि ने आनंद सागर के जीवन से संबंधित प्रेरक संस्मरण सुनाए.

उज्जैन से आई महिला मंडली की ओर से शिल्पा जैन एवं गगन जैन के मार्गदर्शन में प्रभावी नृत्य नाटिका का मंचन भी किया गया. बालक हर्ष सोनगरा की प्रभावी प्रस्तुति पर बादलदेवी कटारिया परिवार की ओर से दिलसुखराज कटारिया ने उन्हें 5454 रुपए एवं एक अन्य बालिका को 1111 रुपए के पुरस्कार से सम्मानित कर अनुमोदना की. प्रारंभ में आयोजन समिति की ओर से अध्यक्ष पारसमल बोहरा, चातुर्मास संयोजक पुण्यपाल सुराना, कैलाश नाहर, ललित सी. जैन, दिलसुखराज कटारिया, मनीष सुराना, प्रीतेश ओस्तवाल, दिलीप मंडोवरा एवं दीपक सुराना ने आनंद सागर के चित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित कर पुष्पांजलि समर्पित की. लाभार्थी परिवार का बहुमान शैलेन्द्र नाहर, अंकित मारु, रीतिश आशीष जैन, मोनिश खुबानी, स्नेहा कोचर द्वारा किया गया.

आज महामांगलिक - आधि-व्याधि और समाधि के लिए ज्ञानी और विद्वतजनों द्वारा रचित चमत्कारिक मंत्रों से पल्लवित मंत्रों का विधान ही मांगलिक होता है. 25 जुलाई को सुबह 11 बजे नवरत्न वाटिका पर जैनाचार्य विश्वरत्न सागर की निश्रा में पावन महामांगलिक का आयोजन होगा.